ASTRO ARPITA NATH

12 भावों में छठे भाव के स्वामी का सामान्य फलादेश

Arpita Nath द्वारा · फलित ज्योतिष सूत्र · 2026-09-08

वैदिक ज्योतिष में, छठा भाव (एक उपचय या वृद्धि भाव) दैनिक कार्यचर्या, बाधाओं, ऋणों, स्वास्थ्य मामलों, प्रतिस्पर्धा, सेवा और कानूनी विवादों का संचालन करता है। छठे भाव के स्वामी (षष्ठेश) की स्थिति दर्शाती है कि आपको जीवन में चुनौतियों का सामना कहाँ करना पड़ेगा, आप प्रतिस्पर्धा से कैसे निपटते हैं और समस्या-समाधान का आपका साहस कहाँ काम आता है।

प्रथम भाव में षष्ठेश: जुझारू योद्धा

भविष्यवाणी: आपके भीतर जीवन की बाधाओं और विरोधियों से मुकाबला करने की स्वाभाविक प्रतिरोधक क्षमता होती है। आपका करियर सेवा-उन्मुख क्षेत्रों, कानून, चिकित्सा या खेलकूद से जुड़ा हो सकता है। चूंकि षष्ठेश प्रथम भाव को प्रभावित करता है, इसलिए फिटनेस, तनाव प्रबंधन और दैनिक दिनचर्या के प्रति सक्रिय रहना आपकी जीवन शक्ति बनाए रखने की कुंजी है।

द्वितीय भाव में षष्ठेश: वित्तीय रणनीतिकार

भविष्यवाणी: धन का उपार्जन लगन भरी कड़ी मेहनत, सेवा उद्योगों, कानून या वित्तीय ऑडिटिंग के माध्यम से होता है। जीवन के शुरुआती दौर में आपको मामूली वित्तीय समस्याओं या पारिवारिक जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन ऋण प्रबंधन और खर्चों को नियंत्रित करने की आपकी तीव्र क्षमता दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

तृतीय भाव में षष्ठेश: निडर कर्मठ

भविष्यवाणी: दो वृद्धि भावों (उपचय) का संयोजन समय के साथ आपके संकल्प को अडिग बना देता है। आप वाद-विवाद, पत्रकारिता, खेल, तकनीकी समस्या-समाधान या बिक्री में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। प्रतिस्पर्धा आपके उत्साह को बढ़ाती है और आप शुरुआती संघर्षों को व्यक्तिगत विजयों में बदल देते हैं।

चतुर्थ भाव में षष्ठेश: व्यावहारिक संरक्षक

भविष्यवाणी: आपके पास संपत्ति विवादों को सुलझाने, किराये के आवास का प्रबंधन करने या इंटीरियर/निर्माण प्रबंधन में काम करने की स्वाभाविक योग्यता होती है। यद्यपि घरेलू शांति के लिए सजग प्रयासों की आवश्यकता होती है, लेकिन आपका व्यावहारिक दृष्टिकोण समय के साथ एक सुरक्षित और अत्यधिक व्यवस्थित घरेलू माहौल तैयार करता है।

पंचम भाव में षष्ठेश: विश्लेषणात्मक रणनीतिकार

भविष्यवाणी: आपकी बुद्धि जटिल पहेलियों को सुलझाने, प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने, या कानून, विश्लेषण और स्वास्थ्य सेवा में कार्य करने के लिए अत्यंत अनुकूल है। अत्यधिक जोखिम वाले सट्टा बाजारों में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। इस स्थिति के प्रभाव में पले-बढ़े बच्चे अनुशासित और विश्लेषणात्मक स्वभाव के होते हैं।

छठे भाव में षष्ठेश: अजेय रक्षक

भविष्यवाणी: अपने ही भाव (स्वक्षेत्र) में स्थित होकर षष्ठेश शत्रुओं, मुकदमों और बीमारियों के विरुद्ध एक शक्तिशाली सुरक्षा कवच का निर्माण करता है। आप प्रतिस्पर्धी कॉर्पोरेट, चिकित्सा या कानूनी क्षेत्रों में खूब फलते-फूलते हैं। दैनिक कार्यचर्या से अत्यधिक संतुष्टि और पेशेवर अधिकार की प्राप्ति होती है।

सप्तम भाव में षष्ठेश: कूटनीतिक वार्ताकार

भविष्यवाणी: आपके समस्या-समाधान का कौशल ग्राहक संबंधों, विवादों की मध्यस्थता और व्यावसायिक वार्ताओं में निखरकर सामने आता है। वैवाहिक और साझेदारियों के संबंधों में खुले संवाद और स्पष्ट सीमाओं की आवश्यकता होती है। सेवा, कानून या चिकित्सा पृष्ठभूमि के लोगों के साथ साझेदारी में काम करना ठोस सफलता प्रदान करता है।

अष्टम भाव में षष्ठेश: विपरीत राज योग का रूपांतरणकर्ता

भविष्यवाणी: एक दुःस्थान के स्वामी का दूसरे दुःस्थान में स्थित होना प्रसिद्ध विपरीत राज योग का निर्माण करता है। दूसरों द्वारा झेले जाने वाले संकट, कानूनी बाधाएं या ऋण आपकी सफलता के साधन बन जाते हैं। यह स्थिति गहन अनुसंधान, बीमा, कर ऑडिटिंग, ज्योतिष और संकट प्रबंधन के लिए अत्यधिक अनुकूल है।

नवम भाव में षष्ठेश: नैतिक सुधारक

भविष्यवाणी: आप अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता को उच्च नैतिकता, न्याय और सामाजिक सुधार की दिशा में मोड़ते हैं। आप कानूनी मामलों, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संबंधों या शैक्षिक प्रशासन में कार्य कर सकते हैं। आपकी यात्राएं या लंबी दूरी की यात्राएं अक्सर पेशेवर कर्तव्यों या समस्या-समाधान के कार्यों से सीधे जुड़ी होती हैं।

दशम भाव में षष्ठेश: कॉर्पोरेट संकटमोचक

भविष्यवाणी: आपका मुख्य पेशेवर विकास कठिन परियोजनाओं को संभालने और संघर्षरत उपक्रमों को उबारने से आता है। यह कार्यकारी प्रबंधन, सरकारी सेवा, स्वास्थ्य सेवा नेतृत्व या कानूनी अधिकार के लिए उत्कृष्ट स्थिति है। आपकी कर्मठता से आपको दीर्घकालिक सार्वजनिक सम्मान मिलता है।

एकादश भाव में षष्ठेश: धन-निर्माता प्रतिस्पर्धी

भविष्यवाणी: दो उपचय भावों का यह मिलन कड़ी मेहनत और प्रतिस्पर्धी जीतों के माध्यम से निरंतर धन संचय का निर्माण करता है। आपके नेटवर्क में कानून, चिकित्सा, वित्त या लोक सेवा के पेशेवर शामिल होते हैं। आप लगातार बाधाओं को तरल संपत्तियों और सामाजिक प्रभाव में बदलते रहते हैं।

द्वादश भाव में षष्ठेश: दयालु उपचारक

भविष्यवाणी: यह स्थिति भी विपरीत राज योग निर्मित करने में सक्षम है। पर्दे के पीछे, विदेशों में या अस्पतालों, गैर-लाभकारी संगठनों

(एनजीओ) या अनुसंधान सुविधाओं जैसे संस्थानों में काम करते हुए आप अत्यधिक सफल रहते हैं। आपके दैनिक प्रयासों का सबसे बेहतर उपयोग वंचितों की सहायता करने या अंतरराष्ट्रीय कार्यों का प्रबंधन करने में होता है।

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।